श्री नितिन गडकरीजी- एक परिचय

श्री नितिन गडकरी आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मंत्रिमंडल में वरिष्ठ मंत्री क रूप में शामिल हुए। श्री गडकरी प्रयोगधर्मी हैं। महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन सरकार में लोक निमाण मंत्री रहते उन्होंने ढांचागत विकास को नया आयाम दिया। मुम्बई-पुणे एक्सप्रेस-हाइवे बनाकर उन्होंने कम पूंजी में अच्छा काम का अभिनव उदाहरण पेश किया। इससे गडकरी की राष्ट्रीय स्तर के साथ मुम्बई में 'फ्लाईओवर मैन' की पहचान बनी।

बतौर लोक निर्माण मंत्री रहते श्री गडकरी ने गांवों को शहर से जोड़ने का प्रोजेक्ट बनाया। इसके लिए महाराष्ट्र सरकार ने श्री गडकरी के प्रस्ताव पर सात सौ करोड़ रूपए स्वीकृत किए। चार वर्ष में महाराष्ट्र की 98 प्रतिशत जनता हर मौसम में सड़क मार्ग से जुड़ सकी। इसमें महाराष्ट्र के 13 हजार 736 दूरस्थ गांव सीधे शहर के सम्पर्क से जुड़े। इस परियोजना से सरकार को गांवों की स्वास्थ्य, शिक्षा और कुपोषण जैसी समस्या को दूर करने में मदद काफी मदद मिली। श्री गडकरी के विजन को देखने हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें नेशनल हाइवे प्राधिकरण स्थापित करने का जिम्मा सौपा। इसके साथ राष्ट्रीय गामीण सड़क विकास प्राधिकरण बनाकर श्री गडकरी को उसका चेयरमैन बनाया गया। वाजपेयी सरकार की सबसे उपलब्धि पूर्ण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना श्री गडकरी की परिकल्पना है।

श्री गडकरी के लिए राजनीति पेशा नहीं, मिशन है। विदर्भ के नागपुर में श्री गडकरी का जन्म मध्यम वर्ग के किसान परिवार में हुआ। श्री गडकरी बचपन से को माताजी से समाज कार्य की प्रेरणा मिली। 57 वर्षीय गडकरी प्रारंभ से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्र निर्माण, समाज के सभी वर्ग के उत्थान के स्वार्थविहीन कार्य से प्रभावित रहे। जून 1975 में आपातकाल के समय उनके जीवन में काफी बदलाव आया। वकालत का पेशा छोड़ वह राष्ट्र निर्माण के काम में जुट गए। श्री गडकरी एमकाम. एल.एल.बी. के साथ डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट की पढाई किए हैं। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से कार्य प्रारंभ किया। उसकी रचनात्मक कार्यशैली के कारण, भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) में महत्वपूर्ण जवाबदेही दी गई। उसके बाद उन्हें महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौपी गई। श्री गडकरी 1989 से लगातार महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य रहे। 1999 से 2005 तक वह विधान परिषद में विपक्ष के नेता भी रहे। 2009 में श्री गडकरी को सर्वसम्मति से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया। वह भाजपा के पहले युवा अध्यक्ष बने थे।

2014 के लोकसभा चुनाव में श्री गडकरी के नेतृत्व में भाजपा-शिवसेना गठबंधन ने 48 में 42 सीटें जीत कांग्रेस के बर्चस्व को तगड़ा झटका दिया है। विदर्भ की नागपुर लोकसभा सीट से श्री गडकरी तीन लाख मतों से कांग्रेस उम्मीदवार विलास मुत्तवार को पराजित किया। नागपुर सीट कांग्रेस का गढ़ मानी जाती थी। यही नहीं नागपुर सीट से आम आदमी पार्टी की नकारात्मक राजनीति को जनता ने नकार दिया। आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार अंजली दमनिया की जमानत जब्त हो गई।

श्री गडकरी का 'विजन' मजबूत राष्ट्र निर्माण है। श्री गडकरी का मानना है कि 21वीं सदी विकास एवं निर्माण की है। वह किसी भी कार्य को व्यवस्थित रूप देने क साथ उसे पूर्ण करने का लक्ष्य लेकर चलते हैं। श्री गडकरी ने विदर्भ का ह्दय कहे जाने वाले नागपुर को नया चेहरा और नई पहचान दी। ढांचागत विकास के साथ श्री गडकरी ने कृषि क्षेत्र में भी अभिनव प्रयोग किए हैं। उसके सार्थक परिणाम सामने आए हैं। किसान पृष्ठिभूमि वाले श्री गडकरी के कषि में जल प्रबंधन, सौर ऊर्जा और आधुनिकीकरण के प्रयोग से किसानों की आत्महत्या के लिए पहचान जाने वाले विदर्भ में काफी बदलाव आया है। क्षेत्र में वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोत और सौर ऊर्जा के माध्यम से गांवों में स्वावलंबन क साथ आत्मनिर्भरता आई है। श्री गडकरी मुम्बई-पुणे एक्सप्रेस-हाइवे को अपनी अभी तक की सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। वह कहते हैं कि '5 करोड़ की पूंजी से 8 हजार करोड़ का काम पूरा करना कठिन नहीं है। ईमानदार सोच और कार्य के प्रति लगन से यह करना संभव है।' इसके साथ उन्होंने समाज के सभी जरूरतमंद वर्ग की यथासंभव मदद की है और आगे भी उनका यह कार्य चलता रहेगा। श्री गडकरी का विवाह कचना से हुआ था। तीन बच्चों में निखिल बड़े बेटे हैं। उनका विवाह रितुजा से हुआ है। दूसरे बेटे सारंग का विवाह मधुरा से हुआ है। बेटी केतकी है।